B.A. III

Saathi

Date ___/___/___

प्र०→ ठोस अपशिष्ट प्रदुषण क्या है।

उ०→ ठोस अपशिष्ट के अन्तर्गत उन सभी कूड़ा कचरो अथवा उच्छिष्टो को सम्मिलित किया जाता है। जो घरों व्यावसायिक संस्थाओं अथवा उद्योगो द्वारा बेकार या रद्दी टोकरी मे फेंक दिया जाते है। इन कूड़ा कचरों मे पिन ब्लेड चीनी मिट्टी और काँच के टुटे बर्तन प्लास्टिक के टुकड़े खाली पालीथिन की थैलियां आदि बेकार हो चुके डिब्बे अनुपयोगी कागज के टुकड़े राख सब्जियों के छिलके बासी अन्न आदि प्रमुख होते है।

कूड़े कचरो के ढेर के ढेर शहर के विभिन्न भागो मे पाये जाते है। घरेलू कूड़ो को तो गृहस्वामियों द्वारा ही फेका जाता है। लेकिन वाणिज्यिक और औद्योगिक कूड़े को नगर महापालिकाएं या नगरपालिकाएं एक स्थान से दुसरे स्थान पर जमा करती है। इन कूड़ो कचरो से शहरो मे विभिन्न प्रकार के रोग ~~फैले~~

जैसे → टाइफाइड डिप्थीरिया कालरा गैस्ट्रोइन्टराइटिस आदि फैलते है और कभी प्राय: बरसात मे महामारी का रूप धारण कर लेते है।

प्र०→ भारत वर्ष मे खाद्य सुरक्षा की स्थिति

उ०→ खाद्य सुरक्षा से आशय उन लोगो को शीघ्र खाद्य आपुर्ति करना है। जो मूल पोषण से वंचित है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत मे लगभग 19.5 करोड़ लोग कुपोषित है जो कि वैश्विक भुखमरी का एक चौथाई हिस्सा है।

Page No. ___

Saathi

Date ___ /___ /_____

भारत मे लगभग 43% बच्चे लम्बे समय तक कुपोषित देश के प्रत्येक नागरिक को भोजन का अधिकार प्रदान करने के लिए भारत की संसद ने 2013 मे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भारत 1.2 अरब की आबादी के लगभग दो तिहाई लोगो को कम दाम पर अनाज प्रदान करने का प्रावधान है। यह कानून 12 सितम्बर 2013 को पारित हुआ इसके अन्तर्गत मध्याह्न भोजन योजना एकीकृत बाल विकास सेवा योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली शामिल है। 2017-18 मे ~~लक्ष्य~~ लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्य सब्सिडी प्रदान करने के लिए 15000 अरब रुपया आवंटित किये गये थे। एन एफ एस 2013 मे मातृत्व अधिकार का भी प्रावधान है। गर्भवती महिलाओं स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चो की कुछ श्रेणियां दैनिक मुफ्त अनाज के लिए पात्र है।

प्र० → मृदा प्रदूषण और उसका प्रभाव —

30 → प्रदूषित वायु एंव जल का संयुक्त प्रभाव मृदा प्रदूषण पर पड़ता है। क्योंकि अम्ल वर्षा का पानी जब पृथ्वी पर पड़ता है तो मृदा प्रदूषित हो जाती है। सल्फर डाई आक्साइड (SO_2) वायुमण्डलीय वाष्प के साथ मिलकर सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) बनाती है। जब यह रसायन वर्षा के जल के साथ पृथ्वी पर गिरता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, इटावा